परमेश्वर ने एक बूरे शहर की दीवार को नीचे गिराया

प्रार्थना: "प्रभु, कृपया बच्चों की सहायता कर कि वे आपकी आज्ञा का पालन करें, इसलिये कि वे आपसे प्रेम करते हैं"।

बच्चों की कोई भी सीखाने वाली गतिविधि का चयन करो जो उनकी आयु और आवश्यकता में सही बैठती है।

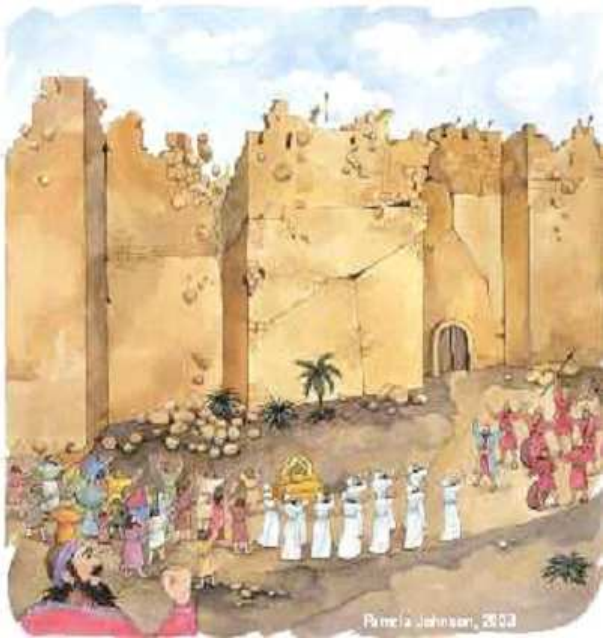

एक बड़ा बच्चा या शिक्षक यहोशू 6:1-20 पढ़ें या यरीहो की दिवार के विषय याद से बतायें।

- यहोशू ईश्वर मुक्त अगुवा उसने उसके लोगों को परमेश्वर की आज्ञा पर चलाया।
- पहले सामर्थ और इस्राएलियों की आज्ञाकारिता दोनो को युद्ध में विजय के लिये इस्तेमाल किया।

कहानी बताने के बाद इन प्रश्नों को पूछो उत्तर प्रश्नो के पीछे हैं।

- परमेश्वर ने यरीहो को जीतने के लिये निर्देश दिये? *[देखो यहोशू 6:2]*
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को प्रतिदिन छः दिन तक क्या करने की आज्ञा दी? *[देखें पद 3]*
- परमेश्वर ने लोगों को सातवें दिन क्या करने की आज्ञा दी? *[पद 4-5 देखें]*
- जब लोगों ने परमेश्वर की आज्ञा पालन किया तब यरीहो की दीवार का क्या हुआ? *[पद 20 देखें]*
- क्या दिखाता है कि यहोशू एक अच्छा अगुवा था? *[उसने परमेश्वर की आज्ञाओं को सावधानी से पालन किया]*

यरीहो की दीवार की कहानी को नाटक का रूप दें। मुख्य मन्डली की आराधना के अगुवे के साथ इसे प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें

- नाटक तैयार करने के लिये बच्चों के साथ अपना समय लगायें। बड़े बच्चों को छोटों की मदद करने दें
- हर भाग इस्तेमाल करने की आपको आवश्यकता नहीं है।
- बड़े बच्चों को ये भूमिका करने दें:

प्रवक्ता: कहानी का सारांश बताना और बच्चों को याद रखने में सहायता करना कि क्या कहना और क्या नही करना है।

परमेश्वर की आवाज़

यहोशू परमेश्वर के निर्देशों का पालन करता है।

छोटे बच्चों को ये भूमिका करने दें:

याजक: वाचा के सन्दूक के स्थान पर एक बक्सा ले चलते हैं कागज़ गोल करके तुरही की तरह फूंकते हैं।

इस्राएली: दीवार का चक्कर लगाते हैं।

यरीहो के लोग: पहले इस्राएलियों के काम पर हंसते हैं। जब दीवार गिरी तो भागे।

प्रवक्ता: यहोशू 6:1-14 से कहानी का प्रथम भाग बताता है। तब कहता है, "सुनो यहोवा यहोशू से क्या कहता है"

परमेश्वर की आवाज़: "यहोशू! लोगों को यरीहो की दीवार के चक्कर प्रतिदिन लगाने को सात दिन तक कह। वाचा का सन्दूक अपने आगे ले जाना। सातवें दिन तुरहियां फूंकना और दीवार गिर जायेगी"।

यहोशू: परमेश्वर के निर्देशों को है (जो परमेश्वर की आवाज़ में कहा) दुहराता है।

याजक: वाचा का सन्दूक ले जाते हैं, तुरहियां फूंकते हैं यरीहो की दीवार का चक्कर लगाते हैं।

इस्राएली: याजकों के पीछे यरीहो की दीवार के चारों ओर जाते हैं।

यरीहो के लोग: "घेरों में चलते हैं" "तुम अन्दर कभी नहीं आओगे जब तक प्रवेश न करो"

प्रवक्ता: यहोशू 6:15-20 में कहानी का दूसरा हिस्सा बताता है। तब कहता है, "सुनो कि यहोशू लोगों से क्या कहता है"।

यहोशू: "जब तुम तुरही की आवाज़ सुनो, जोर की आवाज़ से चिल्लाना। शहर की दीवार नीचे गिर कर चपटी हो जायेगी। तब सीधे शहर में प्रवेश करना"।

याजक और इस्राएली: सात बार पत्थरों के ढेर के चक्कर लगते हैं। हर बार जोर की आवाज़ में गिनते हैं। सातवीं बार में तुरहियां फुंकते हैं, हंसते और दीवार को ठोंकते हैं।

यरीहो के लोग: भागते हैं। चिल्लाते हैं। "इस्राएल के परमेश्वर ने हमारी दीवार को तोड़ दिया है"

तस्वीर: बच्चों को यरीहो की गिरती दीवार की तस्वीर या पत्थरों को ढेर बनाने दें।

- बच्चों को अराधना के समय अपनी तस्वीरें बड़ों और माता पिता को घर पर दिखाने दें।
- बच्चों को ये बताने दें कि ये नाटक प्रगट करता है कि परमेश्वर कैसे अपनी शक्ति को और हमारे आज्ञा कारिता दोनो को बुरी दीवार जो शैतान ने हमारे चारों ओर लगा रखी है तोड़ डालता है।
- बड़े बच्चों को छोटों की सहायता करने दें।

प्रश्न: यदि बच्चे बड़ों के लिये इस कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत करते हैं तो उन्हें वे प्रश्न जो ऊपर सूचि में हैं भी पूछने दें।

गतिविधि: सातवें दिन यरीहो की दीवार को गिरते हुए दिखायें।

- छोटे पत्थरों या ब्लोक से एक दीवार बनायें।
- बड़े बच्चे को बाकी सब को दिखाने दें कि दीवार के चारों ओर कैसे घूमते हैं
- जब उन्होंने सात बार घूम लिया, तो ऐसा करने दें मानो तुरही फुंक रहे हैं और चिल्लाते हैं तब दीवार पर दस्तक दें।
- आपने शायद बच्चों के लिये पत्थरों के नीचे मिठाई या इनाम छिपा रखा होगा जिसे वे ढूंढ़ें।

चर्चा करें: और कौन से उदाहरण हैं जिसमें परमेश्वर हमारी आज्ञाकारिता को अपनी शक्ति के साथ महान कार्य करने के लिये इस्तेमाल करता है (बच्चों या बड़ों को उदाहरण देने दें)

कविता: चार बच्चों में से हर एक को नीति वचन 3:5,6,11 और 12 पदों में से एक को बोलने दें। **यूहन्ना 14:23** को कंठस्त करें।

सप्ताह के विषय के लिये बड़े बच्चों को कविता, गीत और नाटक लिखने दें।

प्रार्थना: "प्रभु हम आप से प्रेम करते हैं। इसीलिये हम सखिना चाहते कि आप हमसे क्या चाहते कि हम करें और हम ईमानदारी से आपकी आज्ञा पालन अपने हृदय से करना चाहते हैं। हमारे अगुवों को आशीष दें जिससे वे हमें आपके वचन को समझाने में और प्रतिदिन अधिक आज्ञा मानने में सहायता कर सकें"।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net